एक डॉक्टर

Ek Doctor

प्रस्तावना- डॉक्टर को पेशा, आवश्यकता से अधिक, व्यस्तताओं से भरा पेशा होता है। यह पेशा इतनी जिम्मेदारी से भरा होता है कि भगवान के बाद जीवन और मृत्यु कर आस मरीज और उसके परिवारीजन इलाज करने वाले डॉक्टरपर ही लगा देते हैं।

महत्वपूर्ण कार्य- असाध्य रोगों के इलाज के लिए, डॉक्टर की मरीज का मर्ज पकड़ने में अच्छे अनुभव के साथ एकाग्रचित्ता की भी आवश्यकता होती है। डॉक्टर स्टेथोस्कोप को सीने, पीठ, पसलियों पर लगाकर परीक्षण करता है। आंख की रंगत, जिहवा का रंग परखता है। नब्ज का सहारा लेता है, थर्मामीटर लगाकर शरीर का तापमान मांपता है। फिर मरीज से रोग के लक्षणों की जानकारी लेता है। उसके बाद स्वविवेक से निर्णय लेता है कि मरीज को कौन-सी बिमारी है? यदि बुखार है जो किस किस्म का है? फिर दवाएं लिखता है तथा खान-पान के परहेज की जानकारी तथा दवा लेने की विधि बताता है।

मृदुभाषी- एक डॉक्टर को मृदुभाषी और हँसमुख होना चाहिये। मृदुभाषी और हँसमुख डाॅक्टरों के बारे में कहा जाता है कि उनके सामने मरीज के पहुँचने पर उसका आधा मर्ज तो डॉक्टर के व्यवहार से ही जाता रहता है।

उपसंहार- एक अच्छा और सफल डॉक्टर वह है जो ईमानदारी से अपने पेशे के नियमों पर चले। क्लीनिक पर बैठने का जो समय उसने निश्चित किया है, उसी समय पर आ बैठे। मरीजों को प्रतीक्षा कराना पेशे की ईमानदारी ना कहलाएगी। डॉक्टर को दयालु भी होना चाहिये। उसके पास अंत्यत गरीब मरीज भी आते हैं। उन्हंे उनका इलाज उनकी धन खर्च करने के सामथ्र्य के बीच ही कर देना चाहिये।

अच्छा डॉक्टर वही है जो अपनी नींद और चैन को हराम कर मरीजों के उपचार से मुंह न मोड़े। डाॅक्टरी पैसे में आने का प्रथम उददेश्य परोपकार और मानव सेवा भाव होता है। मानव सेवा कर ये अपनी नींद खोएं तो परवाह कैसी?

जो डॉक्टरर सिर्फ धन कमाने के उददेश्य प्रमुख रखते हैं, मरीजों से मोटी फीस वसूलते हैं- मरीज को रोगमुक्त हो जाने में अधिक रूचि नहीं रखते। वे न अच्छे डाॅक्टर कहला सकते हैं न ही मानव सेवा और परोपकार को अपना सकते हैं।